Class - B Com II
Subject - M.F.I
Paper - IV (S)
Topic - Credit Creation by Banks
Lecture Sequence - 10
By Dr C P Sahu
Marwari College, Darbhanga.

बैंकों द्वारा साख सृजन :-

(1)

साधारण बोलचाल की भाषा में साख का अर्थ विश्वास से होता है लेकिन अर्थशास्त्र में साख शब्द का प्रयोग ऋण लौटाने अथवा भुगतान करने की क्षमता से है। किसी व्यक्ति के बाजार में साख अधिक है तो इसका तात्पर्य है कि उस व्यक्ति में ऋण लौटाने के शक्ति में अधिक विश्वास है। यदि बैंक जमा के रूप में प्राप्त धन को ऋण के रूप में वितरित करते हैं तो इसे साख का सृजन कहते हैं। बैंक एक जमा करने वाली संस्था ही नहीं बल्कि एक महत्वपूर्ण अर्थ में मुद्रा का निर्माण भी है। साख का आधार वह विश्वास है जो ऋणदाता को ऋणी के भुगतान करने की योग्यता तथा सम्पत्ति पर आधारित होता है।

इसप्रकार स्पष्ट है कि बैंको द्वारा साख का सृजन जमाओं के माध्यम से होता है। बैंक द्वारा सृजन की गयी मुद्रा को 'बैंक मुद्रा' कहा भी कहते हैं। सामान्यतः - साख विश्वास, चरित्र, व्यक्ति की भुगतान करने की योग्यता ~~क्षमता~~ है।

साख सृजन के प्रक्रिया या पद्धति या तरीके निम्न- ~~तरीकों से~~ लिखित प्रकार से करते हैं :—

(1) पत्र मुद्रा जारी करके - केन्द्रीय बैंक को अपने देश के लिए पत्र मुद्रा जारी करने का अधिकार है। हमारा यहाँ रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया को पत्र मुद्रा ~~जारी~~ निर्गमित करने का एकाधिकार प्राप्त है। पत्र मुद्रा द्वारा साख का सृजन होता है क्योंकि पत्र मुद्रा के जारी के लिए शत-प्रतिशत धात्विक कोष (Metallic Fund) नहीं रखनी पड़ती बल्कि एक निश्चित सीमा तक धात्विक कोष के बाद शेष अंश केन्द्रीय बैंक की साख और प्रतिभूति पर ही नोट निर्गमित करती है। इसे ही केन्द्रीय बैंक द्वारा साख का निर्माण कहते हैं।

(2) प्रारम्भिक जमाओं एवं व्युत्पन्न निक्षेपों के द्वारा - इसके अन्तर्गत बैंक साख का सृजन जमा में वृद्धि करके करता है इसे दो भागों में बाँटा जा सकता है! —

(A) प्रारम्भिक जमा (Primary deposit) प्रारम्भिक जमा (निक्षेप) उन जमाओं को कहते हैं जो कि ग्राहकों द्वारा बैंक में वास्तविक मुद्रा के द्वारा ~~जमा है~~ की जाती है। इसे हम नकद जमा (Cash deposit) या निष्क्रिय जमा ~~ideal~~ (idle deposit) भी कहते हैं। उदाहरणार्थ लॉर्ड कीन्स ने इस जमा को idle deposit or Passive deposit भी कहा है। यदि कोई व्यक्ति बैंक में 1,000 (एक हजार रुपये) की वास्तविक मुद्रा (नोट या सिक्के) जमा करता है तो यह प्रारम्भिक या नकद जमा कहा जायेगा।

(B) व्युत्पन्न निक्षेप (Derived deposit) जब बैंक किसी ग्राहकों को ऋण देने के उद्देश्य से उसके खाते में कुछ रकम लिख देता है तो इस प्रकार के उत्पन्न जमा को व्युत्पन्न जमा कहेंगे। व्युत्पन्न जमा प्रारम्भिक जमा का ही परिणाम है।

Scanned with CamScanner

क्योंकि बैंक अपने नकद कोष के आधार पर साख प्रदान करता है। इसलिए व्युत्पन्न जमा को साख जमाएँ (Credit deposits) या गौण जमाएँ (Secondary deposits) भी कहते हैं। ~~प्रो० कीन्स ने कहा है कि "ऋण जमा की संतान है और जमा ऋण की संतान है।"~~ (Loans are the children of deposits and deposits are the children of loans)

Prof. Halm का कहना है कि "व्युत्पन्न जमा का निर्माण ही साख का सृजन होता है।"

अतः हम कह सकते हैं कि ऋण जमाओं को उत्पन्न करते हैं और जमाओं ऋणों को जन्म देते हैं। (Loans create deposits and deposits create loans)

उपर्युक्त बातों को एक उदाहरण एवं तालिका द्वारा स्पष्ट किया जा सकता है:—

तालिका द्वारा स्पष्ट जा सकता है—

बैंक	बैंक में प्राथमिक जमा रुपये में	बैंक द्वारा रखा जाने वाला नकद कोष रुपये 20%	बैंक द्वारा दिया जाने वाला ऋण या व्युत्पादित जमा
A	1,000	200	800
B	800	160	640
C	640	128	512
D	512	102	410
Total	2,952	590	2,362
other Banks	2,048	410	1,638
सम्पूर्ण बैंकिंग व्यवस्था	5,000	1,000	4,000

उपर्युक्त तालिका में जब A बैंक में 1,000 रुपये जमा हुए तो उसने 200 रुपये कोष में रखकर 800 रुपये ऋण दे दिये। यह 800 रुपये B बैंक में जमा हुए जिसने 160 रुपये अपने पास रखकर 640 रुपये उधार दे दिये। यह 640 रुपये C बैंक में जमा हुए। जिसने 128 रुपये अपने पास रखकर 512 D बैंक में जमा किये।

Scanned with CamScanner

इसमें उपर्युक्त तालिका में चार बैंकों को लिया गया है लेकिन यह क्रम केवल चार बैंकों तक ही सीमित नहीं है बल्कि अन्य बैंक भी इस प्रक्रिया में शामिल हैं। बैंक अपनी जमा की राशि से कई गुणा अधिक ऋण देता अपने ग्राहकों को देता है।

वाणिज्य बैंकों द्वारा कितनी मात्रा में साख का सृजन किया जा सकता है इसे साख गुणक या बैंक जमा गुणक के द्वारा मापने का प्रयास किया गया है।

अंकगणितीय तरीके से भी स्पष्ट किया जा सकता है —

जमा गुणक ——— $= \frac{1}{r}$

जहाँ ——— r = बैंकों द्वारा रखा जाने वाले नकद कोष अनुपात

प्रस्तुत तालिका में — $r = 20\%$

अतः जमा गुणक $= \frac{1}{r} = \frac{1}{20\%} = \frac{100}{20} = 5$

इस तरह 1,000 रुपये की प्राथमिक जमा कुल 5 गुणा बढ़कर 5,000 रुपये हो जाती है जिसमें 4,000 रुपये व्युत्पन्न जमा है। — x —